रावणछाया - ओडिशा क्षेत्र की छाया कठपुतली है। कठपुतली हिरण की खाल से बनी होती है और साहसिक, नाटकीय मुद्राओं को दर्शाती है। इनमें कोई जोड़ नहीं होता है, जिससे यह अधिक जटिल कला रूप नहीं होती है।

यमपुरी - यह बिहार की पारंपरिक छड़ कठपुतली है। कठपुतली आमतौर पर लकड़ी से बनी होती हैं और बिना किसी जोड़ के होती हैं।

केरल में, पारंपरिक दस्ताना कठपुतली नाटक को पावाकूथु कहा जाता है। यह कथकली के प्रभाव के कारण 18वीं शताब्दी के दौरान अस्तित्व में आई थी।

थोलू बोम्मलाटा आंध्र प्रदेश राज्य की छाया कठपुतली परंपरा है।

5) कठपुतली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. यह बिहार और झारखंड की पारंपरिक धागा कठपुतली कला है
2. इसे एक एकल धागे द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो कठपुतली के ऊपर बंधे होते हैं।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: b)

कठपुतली: राजस्थान क्षेत्र की पारंपरिक धागा कठपुतली जिसे कठपुतली के नाम से जाना जाता है, जिसका नाम 'कठ' से लिया गया है जिसका अर्थ लकड़ी और 'पुतली' का अर्थ गुड़िया है। कठपुतलियों की एक अनूठी विशेषता पैरों की अनुपस्थिति है। कठपुतली की उंगलियों से धागे बंधे होते हैं।



Economy

1) आम तौर पर, सरकार विनिवेश की नीति को लागू करती है
1. सरकार पर वित्तीय बोझ को कम करने हेतु
2. प्रतिस्पर्धा और बाजार अनुशासन बनाये रखने हेतु
3. स्वामित्व को अधिक प्रोत्साहित करने हेतु